गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

9 सूत्र देशी गाय से 1 लाख रूपया महिना कमाने के

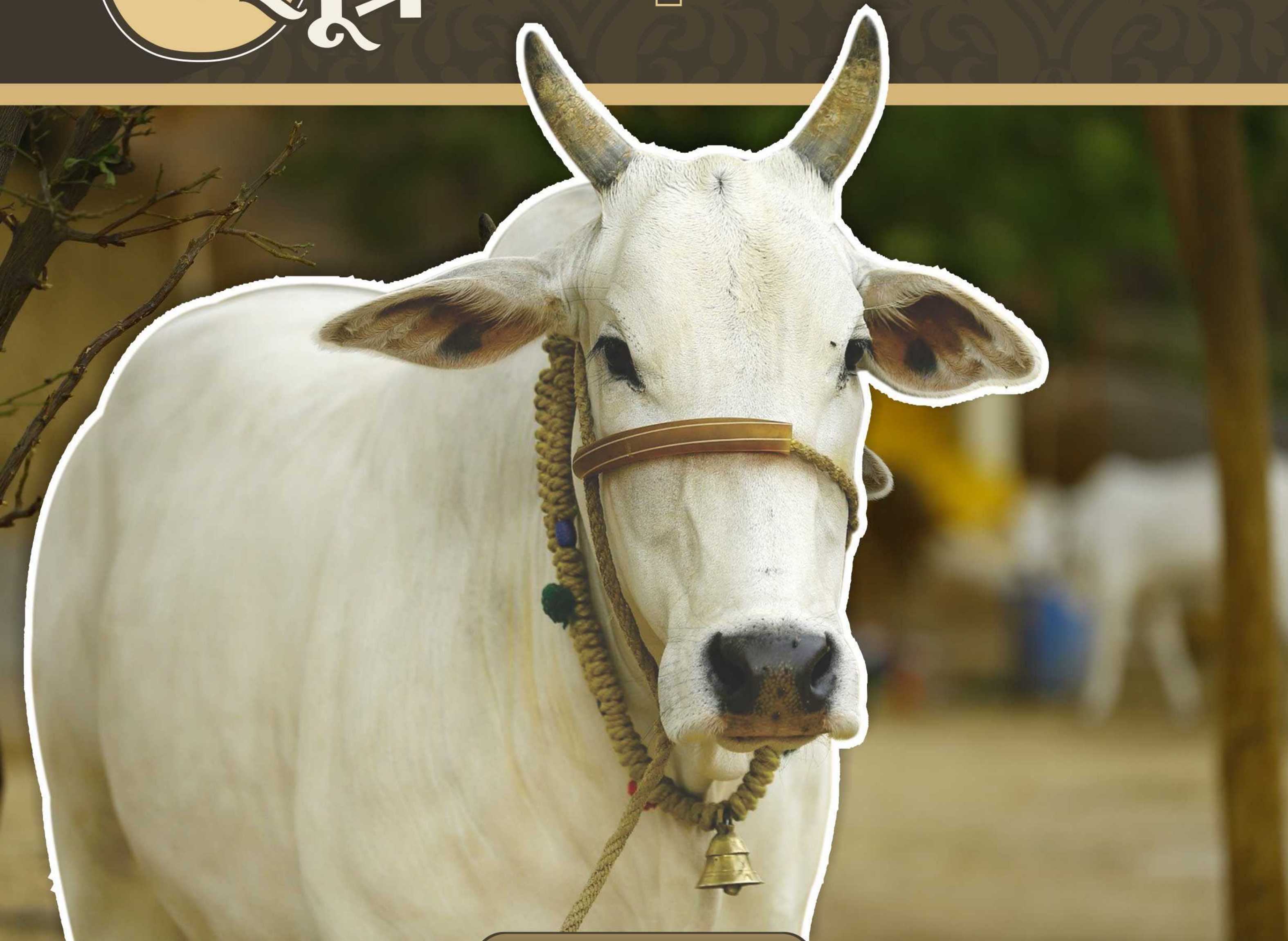

लेखक : गव्यर्षि मनीष शर्मा

एक ऐसी पुस्तक जो हर व्यक्ति को पढ़नी ही चाहिए

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1 t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- नि:शुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

भूमिका

आजकल के नवशिक्षित युवा प्रायः यह कहते सुने जाते है कि भारत की देशी गाय तो एक व्यर्थ की वस्तु है, ना दूध ही देती है ओर ना ही खेती या किसी अन्य कार्य की । ऐसे में आयुर्वेद मे लिखा पंचगव्य का ज्ञान ढकोसला मात्र है। ऐसे में कुछ कहते है की आयुर्वेद मे पंचगव्य का कही नाम नही है, फिर ये पंचगव्य कहाँ से आया? ऐसे ही कुछ लोग हमें मिलते है जो यह कहते पाए जाते है की पंचगव्य से ना तो उत्पाद बनाना संभव है ओर ना ही ये प्रभावी है। कुछ कहते है की शास्त्रों मे तो गोबर मे लक्ष्मी का उल्लेख किया गया है, तो अब लक्ष्मी निकालकर दिखाओ, आदि आदि...

इसी प्रश्न को ध्यान में रखते हुए अनेक स्थानो पर उत्तर ढूँढा, पर बहुत भटकने मे पश्चात भी लेखक को किसी एक स्थान पर उसके प्रश्नो का उत्तर नही मिला ना ही ये जान हुआ की आखिर गोबर मे लक्ष्मी है कहाँ?

कारणवश मन मे उत्पन्न हुई व्यथा के कारण आज ये एक छोटी सी पुस्तक लिखने की आवश्यकता जान हुई। इस पुस्तक में बड़े ही सरल माध्यम से बताया गया है की कैसे केवल एक गाय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा सकती है। कैसे एक अकेली गाय का पंचगव्य 1 लाख रुपये मासिक के उत्पाद निर्माण करने मे सक्षम है इसी विषय को ध्यान मे रखते हुए श्री गुरु चरणो में समर्पित कर एक छोटी सी भेंट आपके सामने रख रहे है।

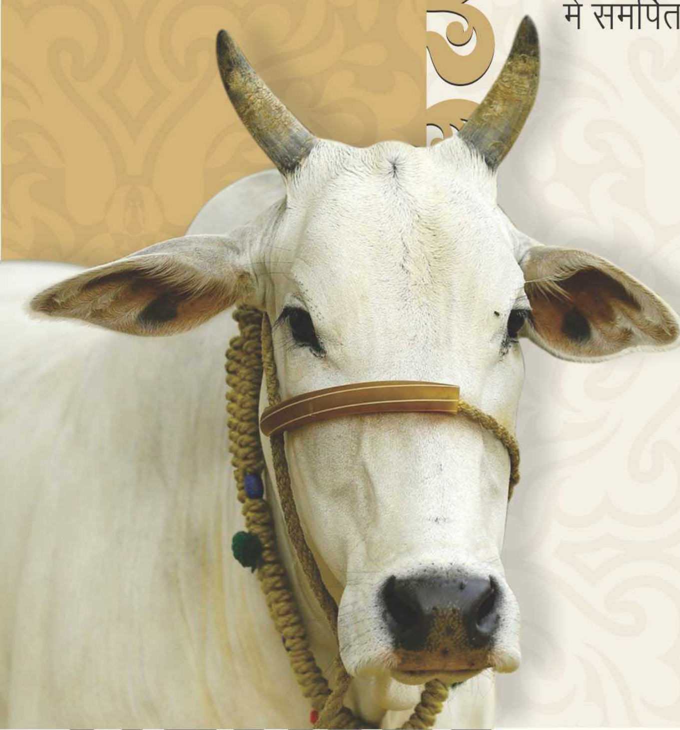

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

पुस्तक के लेखक

गव्यर्षि भाई मनीष शर्मा
का संक्षिप्त परिचय

जयपुर जनपद के एक ब्राह्मण कुल में भाई मनीष का जन्म हुआ। भाई मनीष एक नवशिक्षित एवम् उच्च शिक्षण प्राप्त किए युवा है। अन्य युवाओं की भाँति सन 2010 तक इन्होने भी एक उच्च शिक्षित युवा की भाँति जीवन व्यतीत किया। अच्छा–भला आईटी का व्यापार चल रहा था की अचानक आई मंदी में इन्हे कुछ खाली समय मिला। उस समय मे इनकी भेंट भाई राजीव दीक्षित से हो गई। बस उसी के पश्चात मन मे एक ही बात घर कर गई, धर्म आधारित जीवनयापन। उसी की खोज करते–2 मेरी माँ से होते हुए, गव्यशाला के माध्यम से गौसेवा के साथ मानव सेवा करने की ठानी ओर आज गव्यशाला के माध्यम से अनेक युवाओं को गौमाता के माध्यम से जीवनयापन करने का मार्ग दिखा चुके है। आज गुरुकृपा से गव्यशाला में हर माह अनेक युवा पंचगव्य प्रशिक्षण प्राप्त करने आते है।

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

विषय सूची

1. गौमाता के प्रमुख 3 गव्य एवम् 2 उपगव्य
2. एक गौमाता से मासिक प्राप्त होने वाले गव्यो की मात्रा
3. गौमाता के दूध से बनने वाले उत्पाद
   - ✻ नासिका औषधि
   - ✻ अर्जुन घृत
   - ✻ पंचगव्य घृत
   - ✻ त्वकासव
4. गौमूत्र से बनने वाले उत्पाद
   - ✻ गौमूत्र अर्क
   - ✻ घनवटी
5. गोबर से बनने वाले उत्पाद
   - ✻ दंतमंजन
   - ✻ धूपबत्ती
   - ✻ साबुन
6. कठिनाईयाँ
7. सावधानियाँ
8. कुछ रोचक जानकारियाँ
9. अंत मे मन की बात

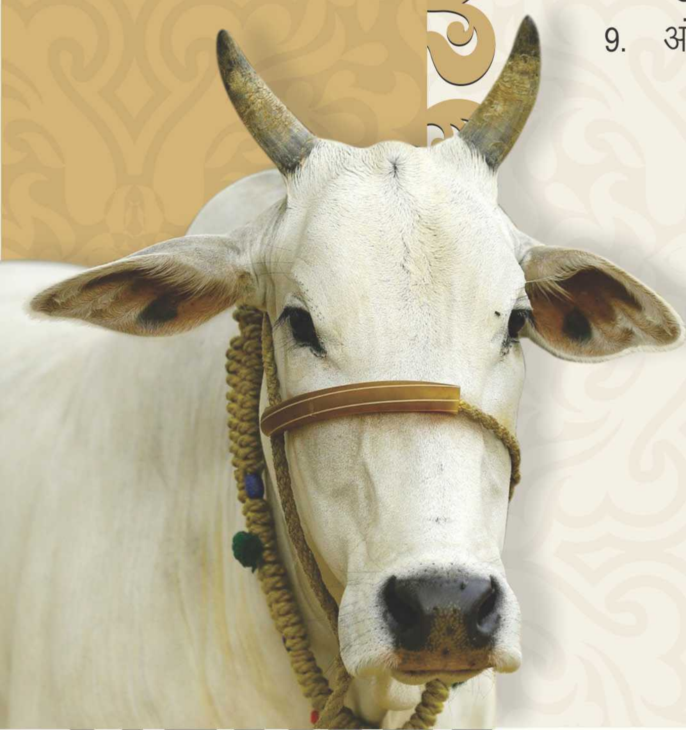

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

गौ माता के प्रमुख ३ गव्य एवं २ उपगव्य

गाय प्रत्यक्ष रूप से हमें 3 गव्य एवं परोक्ष रूप से 2 उपगव्य देती है। जो निम्न प्रकार है–

चित्र देखें

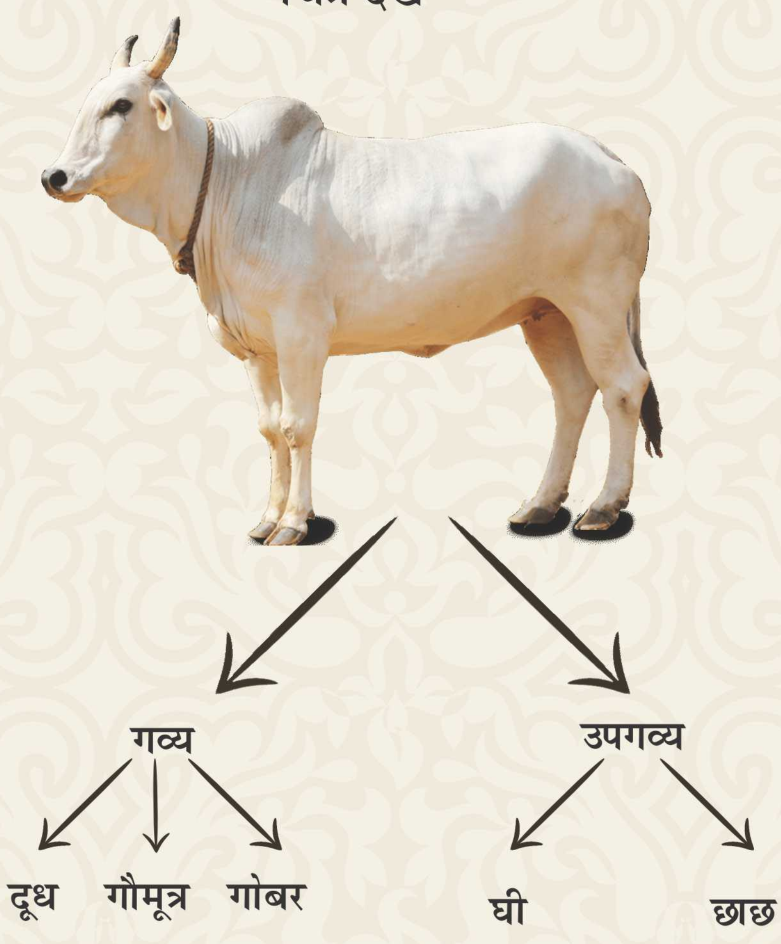

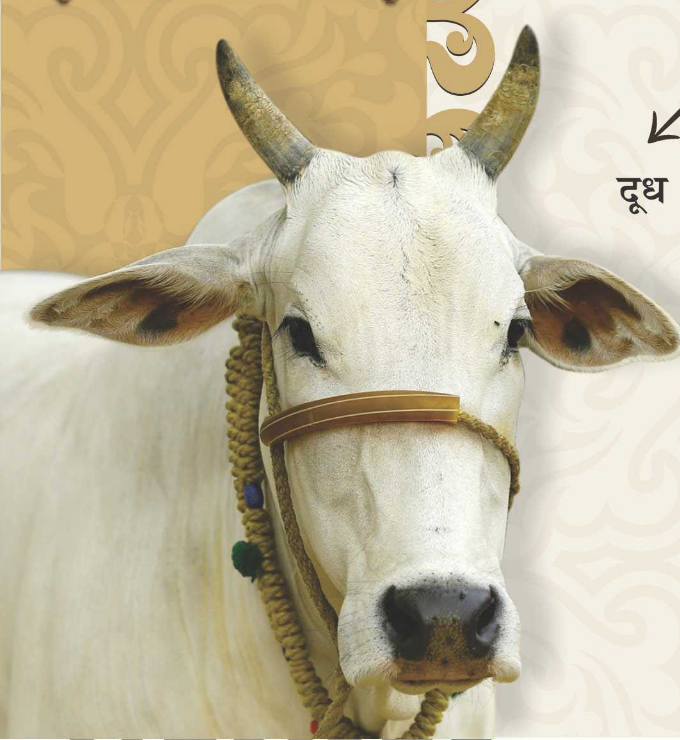

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

एक गौमाता से मासिक प्राप्त होने वाले गव्यों की मात्रा

टिप्पणी– हम यहाँ गौमाता के गव्यों की मात्रा कम से कम मानकर चलेंगे। ताकि किसी प्रकार के विवाद की स्थिति ही ना बने।

चित्र देखें

दूध	गोबर	गोमूत्र	छाछ	घी
3 ली./दिन	10 किलो/दिन	10 ली./दिन	90 ली. दुध से प्राप्त	90 ली. दुध से प्राप्त
90 ली./माह	300 किलो/माह	300 ली./माह	180 लीटर प्रतिमाह	3 किलो घी प्रतिमाह

टिप्पणी– यहाँ हमने 3 लीटर प्रतिदिन दूध देने वाली गाय ली है, इतना दूध भारत की कोई भी प्रजाति देने मे सक्षम है। इस पूरे दूध का हमने दही जमाकर वैदिक विधि से घी निकाल लिया है। जिससे हमें 3 लीटर घी एवम् 180 लीटर छाछ प्राप्त होती है।

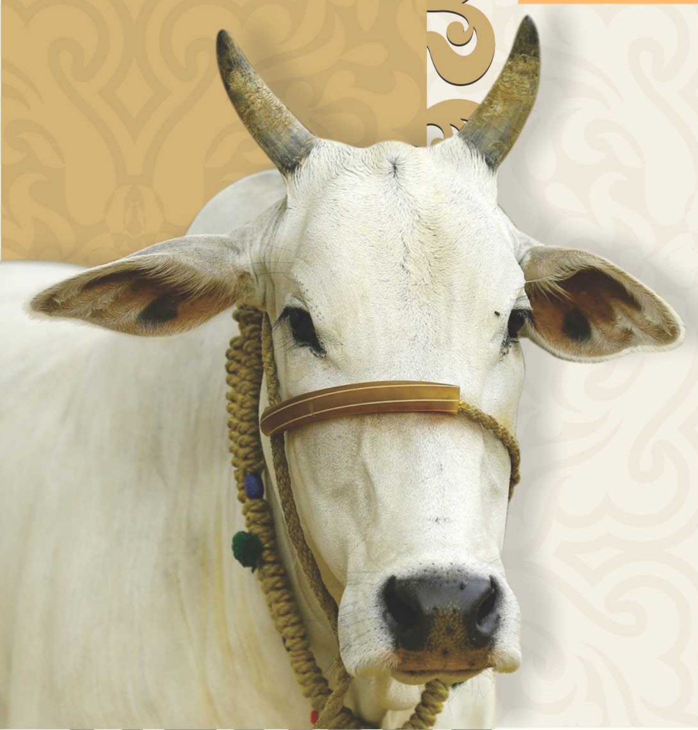

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गौमाता के दूध से बनने वाले उत्पाद (दूध से प्राप्त घी)

यहाँ गौमाता के दूध से प्राप्त हुए 3 लीटर घी को हमने 3 भागों में बाँट दिया है। प्रति एक लीटर से हम 1 प्रकार की औषधि बनाएँगे। इसके पश्चात भी हमारे पास 180 लीटर छाछ बचेगी, उससे हम त्रकासव बनाएँगे।

सूत्र – 1 पंचगव्य नासिका औषधि

घटक पदार्थ :

1. घी : 1 लीटर
2. छाछ : 100 मिलीलीटर
3. नया (ताजा) गोमूत्र : 100 मिलीलीटर
4. गोमय रस : 100 मिलीलीटर
5. दूध : 100 मिलीलीटर

बनाने की विधि :

- यह औषधि सूर्य चूल्हे पर (सोलर कुकर में) शीघ्र बनती है परंतु वह न हो, तो कड़ी धूप में परात रखकर औषधि बनाएं ।
- स्टील की परात में घी लेकर उसे धूप में रखें । उस पर बारिक छिद्र वाली जाली ढकें।
- घी पिघल जाने पर ढक्कन हटाएं और उसमें छाछ मिलाकर पुनः जाली से ढक दें ।
- सूर्य की उष्णता से मिश्रण से पानी का अंश वाष्प बनकर उड़ने लगता है ।
- मिश्रण से पानी का अंश निकल गया है इसकी आगे दिए अनुसार जांच करें। मिश्रण में कपास की बत्ती डूबा कर जलाएं । जब बत्ती बिना ध्वनी के जले, तब समझ लें कि पानी निकल गया है। बत्ती चट–चट की ध्वनी के साथ जले, तो पानी अभी बचा है, यह समझ कर मिश्रण से पानी निकलने तक उसे कड़ी धूप में रखिए ।
- पानी का अंश पूर्णतः निकलने में कभी–कभी एक से अधिक दिन लगते हैं। ऐसे में रात में परात में ओस न पड़े, इसके लिए परात पर ढक्कन रखें ।

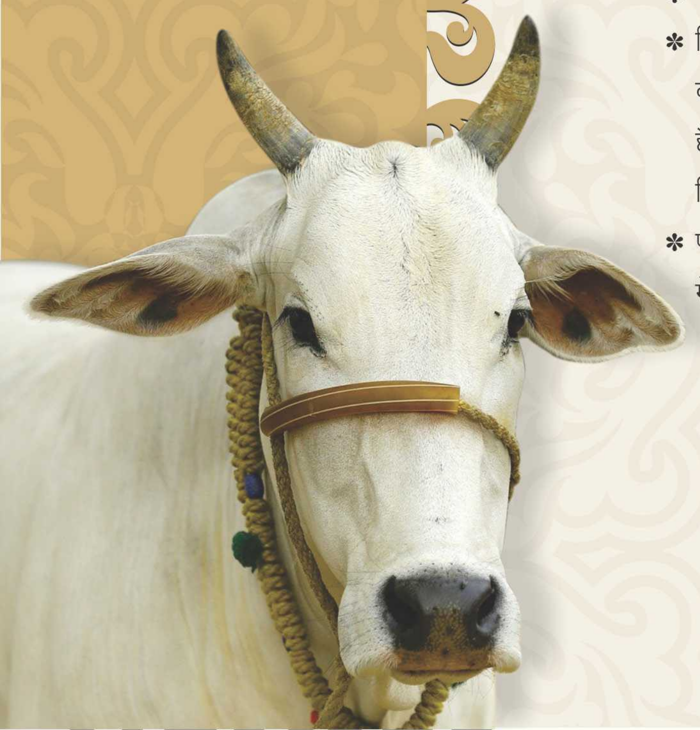

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

* मिश्रण से पानी निकलने के उपरांत इसमें ताजा गोमूत्र डालकर ठीक से मिलाएं और इस पर जाली रखकर पुनः धूप में रखें ।
* पुनः जल का अंश निकल जाने पर इसमें गोमय रस और उससे जल निकलने के उपरांत दूध मिलाएं ।
* एक जलांशरहित यह औषधि जब द्रव रूप हो, तभी उसे छान कर ड्रापर युक्त कांच की छोटी बोतलों में भरकर रख दें।

लाभ– नजला, जुकाम, खाँसी, अस्थमा, माईग्रेन, सरदर्द, स्मरण शक्ति, लकवा तथा अन्य।

मूल्य– 1 किलो घी मे 15–15 मिली की लगभग 60 बॉटल बनती है। 1 बॉटल का मूल्य 200–400 रुपये होता है। हम यहाँ मूल्य 200 प्रति बॉटल के अनुसार ही मानकर चलेंगे।

कुल प्राप्त आय = 60'200= 12000 रुपये

सूत्र – 2 अर्जुन घृत

घटक पदार्थ :

1. घी– 1 किलो नया
2. अर्जुन छाल– 2 किलो जौ कुटा
3. अर्जुन छाल – 100 ग्राम जौ कुटा
4. पानी– 16 लीटर

बनाने की विधि :

16 लीटर पानी मे 2 किलो जौ कुटा अर्जुन छाल पानी का 1/4 भाग होने तक उबाले। फिर एक बर्तन में मिट्टी का लेप लगाकर घी उसमें डाले। घी डालने के पश्चात अलग से लिया गया 100 ग्राम जौ कुटा अर्जुन छाल पानी में भिगोकर घी में डालें। पानी इतना डालें की अर्जुन डूब जाए। इसके पश्चात 4 लीटर काढ़ा घी में डालें।

अंत मे जब संपूर्ण पानी उड़ जाए तब घी को छानकार अलग रख ले।

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

लाभ– कार्डियक टॉनिक, हृदय की ब्लॉकेज, धड़कन, हृदय की कमजोरी, शरीर में पित्त की वृध्दि, पेट में गैस।

मूल्य– इसका मूल्य 5000 से 10000 किलो तक लिया जाता है। पर हम इसका मूल्य 5000 ही मानकर चलेंगे।

कुल प्राप्त आय = 1′5000 = 5000 रुपय

सूत्र – 3 पंचगव्य घृत

घटक पदार्थ :

1. गौ घृत– 1 किग्रा.
2. छाछ या दही– 1 किग्रा.
3. गोमूत्र– 1 किग्रा.
4. गौ मय रस– 1 किग्रा.
5. दूध– 1 किग्रा.

बनाने की विधि :

1) 1 लीटर छाछ उड़ने तक छाछ डालकर पकाते हैं।
2) इसके पश्चात 1 लीटर गौमूत्र डालकर पकाते हैं, जब तक पूर्ण गौमूत्र उड़ ना जाए।
3) गोबर रस पर भी समान प्रक्रिया करते है।
4) दूध पर भी समान प्रक्रिया करते है।

टिप्पणी– यानि की आप इसमें छाछ और दूध को साथ में न डालें जैसे पहले दूध डाल दिया फिर छाछ या दही। आप दूध और छाछ के बीच में गौ मूत्र और गौ मय रस डालें ।

लाभ– शरीर को बल देने मे, लकवे मे, गले से ऊपर के सभी रोगों मे।

मूल्य– यह 5000 रुपये लीटर बिकता है।
कुल प्राप्त आय = 1′5000 = 5000 रुपये

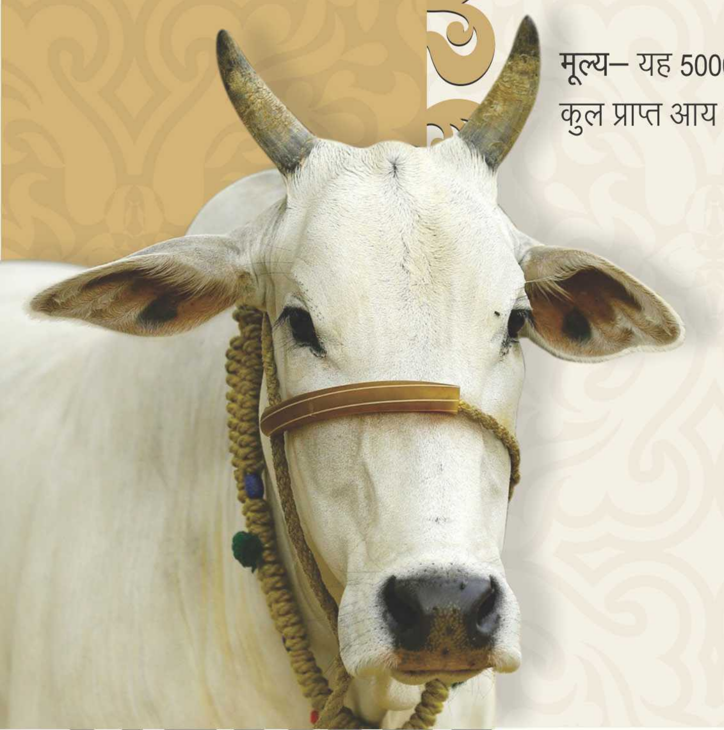

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

सूत्र – 4 तक्रासव

घटक पदार्थ :

1. छाछ– 1 लीटर (1:1) अनुपात वाली (ताजा)
2. हल्दी – 40 ग्राम
3. सेंधा नमक – 50 ग्राम
4. राई – 50 ग्राम

बनाने की विधि :
ये सब मिलकर चीनी मिट्टी के बर्तन में सात दिन रखें। 7 दिन पश्चात उपर की परत हटाकर छान लें। नीचे का गढ़ा भाग रहने दें। 280 लीटर छाछ में यह लगभग 250 लीटर ही बनेगा।

उपयोग – पाइल्स, मूलव्याध, भगन्दर, मोटापा, प्लीहा वृद्धि, भूख ना लगना, पाचन सुधारना, अग्निमांध, पाचन ना होना।

मूल्य– यह 200 से लेकर 500 रुपये लीटर बिकता है, यहाँ हम 200 रुपये ही मूल्य मान कर चलेंगे।

कुल प्राप्त आय = 150'200 = 30000 रुपये

दूध से प्राप्त कुल आय : गौमाता से प्राप्त 90 लीटर दूध से हमने 3 लीटर घी निकालकर 4 प्रकार की औषधियाँ बना ली।

जिनसे प्राप्त कुल आय है–

नासिका औषधि से प्राप्त आय	= 12000 रुपये
अर्जुन घृत से प्राप्त आय	= 5000 रुपये
पंचगव्य घृत से प्राप्त आय	= 5000 रुपये
त्रकासव से प्राप्त आय	= 30000 रुपये
दूध से प्राप्त कुल आय	= 52000 रुपये

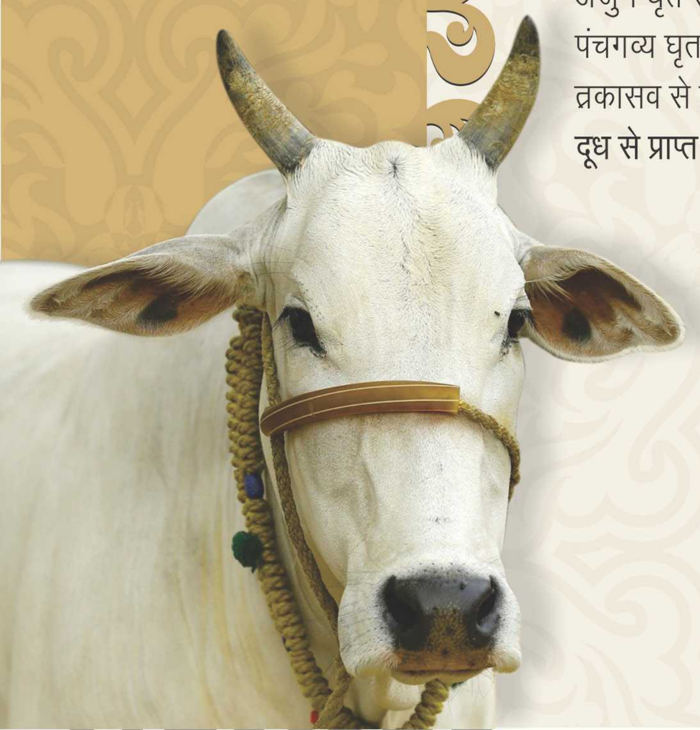

@www.gavyashala.com 🌐 info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

गौमूत्र से बनने वाले उत्पाद

गौमाता से 300 लीटर गौमूत्र प्राप्त हुआ था, जिसे हम 2 भागों मे बाँट लेंगे। एक भाग 100 लीटर दूसरा भाग 200 लीटर। पहले 100 लीटर भाग का हम अर्क ओर घनवटी बनाने में प्रयोग करेंगे एवम् दूसरा 200 लीटर भाग कृषि के लिए सुरक्षित रख लेंगे। जिसकी विधियाँ निम्न प्रकार हैं।

सूत्र – 5 गौमूत्र चंद्रमा अर्क (सर्व विकार)

यहाँ अर्क बनाने की विधि एवम् मात्रा केवल 7 लीटर गौमूत्र के अनुसार ली जा रही है ताकि समझने में सरलता रहे। स्मरण रहे, 100 लीटर गौमूत्र से हमें 47 लीटर अर्क प्राप्त होगा, बचा हुआ शेष 47 लीटर द्रव्य क्षार कहलाता है, जिसका प्रयोग हम घनवटी बनाने मे करेंगे एवं बचा 6 लीटर अमोनिया कृषि में कीटनाशक के कार्य आता है।

घटक पदार्थ और उनकी मात्रा :

1. नया गोमुत्र 7 लीटर
2. जीरा 5 ग्राम
3. सौंफ 5 ग्राम

बनाने की विधि :

* अर्क बनाने के लिए गोमूत्र शास्त्रानुसार प्राप्त किया हुआ होना चाहिए ।
* गोमूत्र चंद्रमा अर्क बनाने के लिए सदैव नए गोमूत्र का उपयोग करें परंतु विविध औषधीमिश्रीत अर्क बनाने के लिए उत्तम प्रकार के प्लास्टिक के पात्र में रखे पुराने गौमूत्र का भी उपयोग किया जा सकता है ।
* अर्क यंत्र का बाष्पक 10 लीटर आयतन का हो, तो 7 लीटर (लगभग दो तिहाई) नया गोमूत्र लें।
* स्वच्छ सूती कपड़े की चार परतें बना लें । इससे गोमूत्र छानकर अर्कयंत्र में भरें ।
* अर्कयंत्र का ढक्कन खुला रखकर गोमूत्र को उबाल आने तक बड़ी आंच पर तपाएं ।

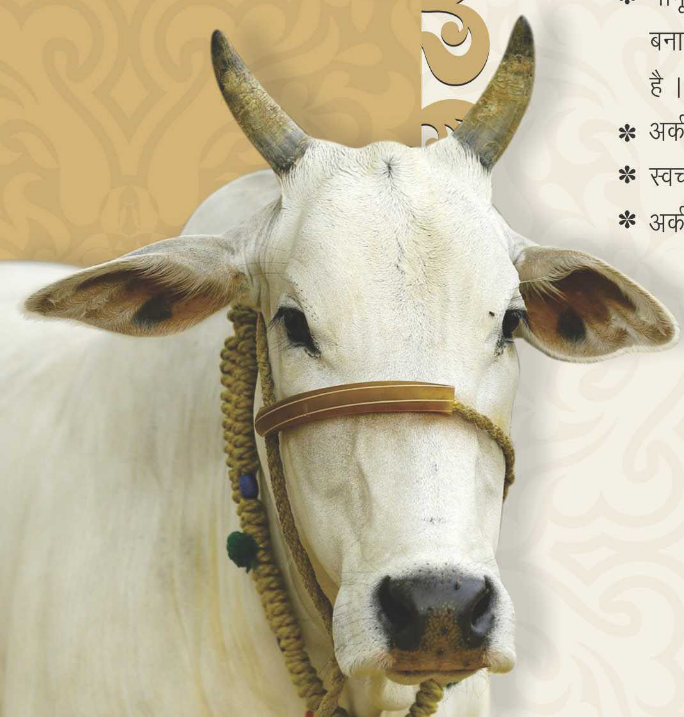

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

- गोमुत्र जब उबलने लगे, तब 5 ग्राम जीरा और 5 ग्राम सौंफ की एक सूती कपड़े में पोटली बनाकर गोमुत्र में छोड़ दें ।
- अर्कयंत्र की जिस नली से अर्क की भाप निकलती है, उसके नीचे लगभग एक लीटर क्षमता की कांच की बरनी रखें ।
- अर्कयंत्र की नली में पानी का प्रवाह आरंभ करें ।
- इसके पश्चात अर्क यंत्र का ढक्कन कसकर लगा दें ।
- अब आंच इतनी रखें की अर्कयंत्र की नली से बाष्प के स्थान पर उसका पानी निकले और कांच की बरनी में इकट्ठा होता रहे ।
- गोमूत्र अर्क बडी आंच पर बनाने से उसे आवश्यक औषधीय गुण धर्म नहीं आते । इसी प्रकार, आंच अत्यंत मंद रखने पर अर्क नहीं बनता । अतः गोमूत्र अर्क मध्यम आंच पर बनाएं । आंच की तीव्रता इतनी होनी चाहिए कि 1 घंटे में 1 लीटर अर्क बन सके ।
- आरंभिक लगभग 10% तक अर्क श्वेत रंग का और स्वाद में अत्यंत चरपरा होता है।
- इसमें अमोनिया वायु अधिक होती है इसलिए पीते समय मुंह और गले में जलन होती है । यह अर्क न पीएं। इसे निकालकर अलग रखें । 7 लीटर गोमूत्र लेने पर यह अर्क 300 से 700 मिलीलीटर मिलता है । यह मात्रा चारों ओर ऋतु के अनुसार न्यूनाधिक होती है। इसका उपयोग खेती में कीटनाशक के रूप में कर सकते हैं ।
- आरंभिक 10% यहां अर्क एकत्र हो जाने पर उसे दूसरे कांच के बर्तन में लेकर उसका रंग देखें और स्वाद चखें ।
- श्वेत रंग का अर्क आना थम जाने पर तथा उसकी तीव्रता सहजता से पीया जा सके, इतनी होने पर अर्कयंत्र की नली के नीचे पहले से रखी कांच की बरनी हटाकर उसके स्थान पर चीनीमिट्टी का अथवा मिट्टी का 4 लीटर क्षमता का बर्तन रखें ।
- बर्तन में अर्क की बूंदे गिरती रहें, इतना भाग खुला रखकर शेष ढक दें ।
- अमोनियायुक्त अर्क निकल जाने पर उसके पश्चात का 40% अर्क अत्यंत औषधीय होता है ।
- गोमुत्र यदि दिनभर वन में चलने वाली गाय का हो, तो 50% तक औषधिय अर्क मिलता है ।
- उसके पश्चात मिलने वाले अर्क में औषधीय गुणधर्म बहुत अल्प रहते हैं। इसलिए 3.4 लीटर अर्क मिल जाने पर अर्कयंत्र के नीचे की आंच बुझा दें ।

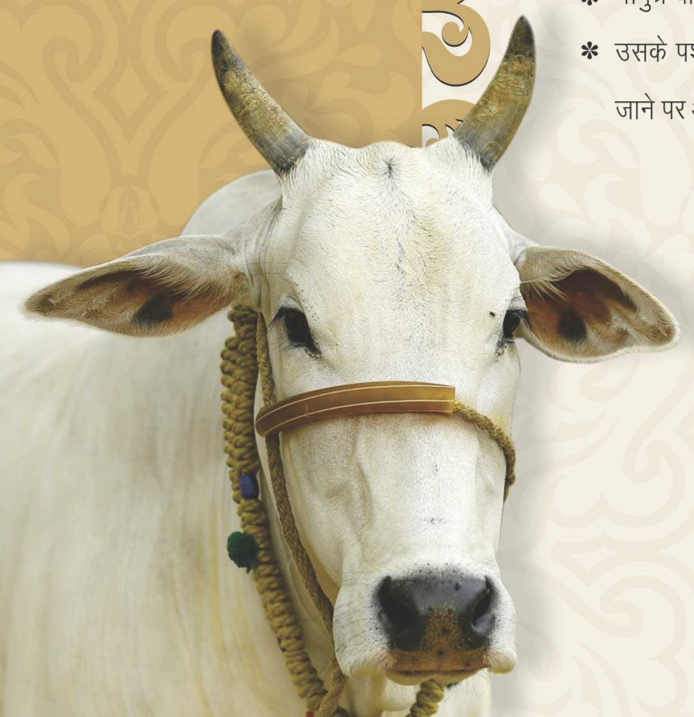

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

✽ इस गोमूत्र अर्क को स्वच्छ सूती कपड़े की चार परतों से छान लें और उस पर सूर्य प्रकाश न पडे, ऐसे गहरे काले रंग की बोतल में भरकर रख दें ।

✽ यंत्र के वाष्पक में बचे हुए गाढ़े गोमूत्र को 'गोमुत्र क्षार' कहते है। इसका उपयोग दूसरे उत्पाद बनाने में किया जाता है। यह गोमुत्र क्षार अच्छी गुणवत्ता के प्लास्टिक के पात्र में भरकर रखें।

✽ पोटली के जीरे और सौंफ को एक परात में फैलाकर धूप में अच्छे से सुखा लें। इनका उपयोग 'गव्य पित्तशामक' चूर्ण बनाने में होता है।

लाभ– सभी रोगों मे लाभकारी है

मूल्य– यह भारत मे 300 से लेकर 1000 रुपये लीटर बेचा जाता है। हम यहा इसे 300 लीटर ही मानेंगे। अतः यह 100 लीटर गौमूत्र में 50 लीटर अर्क बनेगा।

कुल प्राप्त आय 47’300= 14100

सूत्र – 6 घनवटी

ऊपर 47 लीटर अर्क निकालने के पश्चात बचे 47 लीटर गौमूत्र से 1 किलो घन (जिसे मावा भी कहा जाता है) बनेगा। इस मावे मे 2 किलो औषधि मिश्रण डालकर, यह 11 किलो बन जाएगा। जिसकी हमें घनवटीयाँ बनाकर 30–30 ग्राम की डब्बी मे भरनी है। इससे लगभग ग्राम 350 डब्बी बनेगी।।

बनाने की विधि :
गौमूत्र अर्क से विभिन्न प्रकार की घनवटीयाँ बनाई जाती है। विषय वृहद होने के कारण यहाँ लिखना संभव नही है। अतः इस लिंक पर क्लिक करके देखें।

लाभ– सभी रोगों मे लाभकारी है।

मूल्य– यह डब्बी 120 रुपया प्रति नग बिकती है।
कुल प्राप्त आय 350’120= 42000

गौमूत्र से प्राप्त कुल आय :
गौमाता के 100 लीटर गौमूत्र से हमने 2 औषधियाँ बना ली ओर 200 लीटर गौमूत्र एवम् 6 लीटर अमोनिया कृषि के लिए बचा भी लिया।

जिनसे प्राप्त कुल आय है–

गौमूत्र अर्क से प्राप्त आय	= 14100 रुपये
घनवटी से प्राप्त आय	= 42000 रुपये
गौमूत्र से प्राप्त कुल आय	**= 56100 रुपये**

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार

पंचगव्य प्रशिक्षण

वोकल-लोकल

निःशुल्क प्रशिक्षण

गव्यहट्टी

उत्पाद

पंचगव्य किट

गौशाला-फैक्ट्री

कच्चा माल

अर्क यंत्र

गोबर से बनने वाले उत्पाद

सूत्र – 7 दंतमंजन

गौमाता से मिले 300 किलो गोबर मे से हमने 100 किलो गोबर दंतमंजन बनाने के लिए लेंगे। बाकी किलो अभी सुरक्षित रखेंगे 300 किलो गोबर से 10 किलो उपले का कोयला मिलेगा, पर यहाँ हम विधि 1 किलो के अनुसार ही बता रहे है ताकि आपको समझने में सरलता रहे।

घटक पदार्थ

1. उपले का कोयला : 1 किलोग्राम
2. सेंधा नमक : 50 ग्राम
3. काला नमक : 50 ग्राम 10

बनाने की विधि

* उपलों की छोटी सी राशि खड़ी कर, घी के दिए से उपले जलाएं ।
* जब अपनों की राशि जलकर लाल हो जाए, तब उचित आकार के पतीले से उसे पूरा ढक दें । अब भूमि से सटी पतीले की किनार को मिट्टी से ढक दें। इससे प्राणवायु की आपूर्ति खंडित होगी और जलते हुए उपले शीघ्र बुझ जाएंगे ।
* उपलें को पतीले से ढके बिना दूसरी विधि भी अपनाई जा सकती है । 2'2'2 घनफुट आकार के गड्ढे में उपले जलाएं। जब ये जलकर लाल हो जाएं, तब इस गड्ढे को किसी धातु के / टीन के ढक्कन से पुर्णतः ढक दें और ढक्कन के किनारे मिट्टी से बंद कर दें।
* दूसरे दिन ढका हुआ पतीला अथवा गड्ढे पर रखा ढक्कन हटा दें ।
* अब काले रंग का कोयला बनकर तैयार है। इसे निकालकर कपड़ा छान चूर्ण बनाकर इसका उपयोग दंतमंजन बनाने के लिए करें। कोयले के चूर्ण में अन्य घटक पदार्थों का कपड़ाछान चूर्ण बनाकर उन्हें आपस में अच्छे से मिलाएं। यह दंतमंजन छोटी–छोटी डिब्बियों में भरकर रख दें ।

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

उपयोग – दाँत ओर मसूड़ों से संबंधित सभी रोग

मूल्य– इससे हमें 11किलो दंतमंजन प्राप्त होगा, जिससे 50–50 ग्राम की 220 डब्बीयां बनेगी। इसका मूल्य 50 से 70 रुपये प्रति डब्बी होगा पर हम यहाँ इसे 50 रुपया ही मानकर चलेंगे।

कुल प्राप्त आय = 220′50 = 11000 रुपये

सूत्र – 8 गौमय मच्छर प्रतिबंधक धूपबत्ती

अब 100 किलो गोबर से धूपबत्ती का निर्माण करेंगे एवम् बचा 100 किलो गोबर सुरक्षित रख लेंगे । समझने मे सरलता के लिए यह विधि 1 किलो गोबर के लिए बताई जा रही है। पर हमें 100 किलो गोबर से 130 किलो मिश्रण प्राप्त होगा।

घटक पदार्थ :

1. ताजा गोमय : 1 किलो
2. कपूर : 100 ग्राम
3. छाया में सुखाए निर्गुंडी के पत्ते : 100 ग्राम
4. छाया में सुखाए नीम के पत्ते : 100 ग्राम

बनाने की विधि :

* कर्पूर, निर्गुंडी के पत्ते और नीम के पत्तों का कपड़ाछान चूर्ण बनाए ।
* ताजे गोमय में ये तीनो चूर्ण मिलाकर यह मिश्रण रोटी के आटे के समान गूंदे ।
* गुंदे हुए मिश्रण की आधा इंच मोटी नालियां बनाए तथा उन्हें काट्कर उंगली की लंबाई की धूपबत्तीयां बनाएं। अथवा आधा इंच लंबी नली में गुंदा हुआ मिश्रण दबाकर भारें तथा एक ओर से धकेलें, इससे धूपबत्ती का आकार एक समान बनता है ।
* बनी हुई धूप बत्तियां छाया में सुखाकर पाकेट में भरकर रखें ।

उपयोग – मच्छर भगाने के लिए

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

मूल्य– इस 130 किलो मिश्रण से हमें 130′50 = 6500 धूपबत्ती प्राप्त होगी। जिसका मूल्य कम से कम 1 रुपया प्रति धूपबत्ती तो होगा ही।

कुल प्राप्त आय = 6500′1 = 6500 रुपये

सूत्र – 9 गौमय साबुन त्वचाविकार

अब बचे हुए 100 किलो गोबर का साबुन बनाते है। यहाँ 1 किलो गोबर से 200 मिली गोबर का रस निकलेगा। यह मात्रा उसी अनुसार बताई जा रही है। 200 मिली गोबर रस मे अन्य घटक पदार्थ मिलाने पर कुल 4 किलो मिश्रण प्राप्त होगा जिससे 100–100 ग्राम के 50 साबुन प्राप्त होंगे।

घटक पदार्थ :

1. मुल्तानी मिट्टी 1 किलोग्राम
2. नीम तेल 1 लिटर
3. नारियल तेल 100 मिलीलीटर
4. भीमसेनी कपूर 100 ग्राम
5. गोमुत्र क्षार 1 लीटर
6. गोमय रस 200 मिलीलीटर
7. कास्टिक सोडा 20 ग्राम
8. गोमूत्र 100 मिलीलीटर
9. सोडियम सिलिकेट 500 मिलीलीटर

बनाने की विधि :

* साबुन को छांव में सुखाना पड़ता है इसलिए इसका उत्पादन ग्रीष्मकाल में करें।
* साबुन बनाने से एक रात पहले एक बर्तन में कास्टिक सोडा गोमूत्र में भिगोकर रखें।
* दूसरे दिन प्रातः कास्टिक सोडा और गौमूत्र के घोल को लकड़ी से हिला कर भली–भांति मिला दें । यह घोल शरीर को ना लगे, ऐसी सावधानी बरतें ।
* भीमसेनी कपूर का चूर्ण बनाकर उसे नारियल तेल में मिला दें ।
* एक बर्तन में गोमूत्र क्षार और गोमय रस का मिश्रण बनाकर रखें ।
* इसके पश्चात, एक लोहे की कड़ाही में नीम का तेल तपाएं ।
* इसके आगे का कार्य करने के लिए दो लोग लगते हैं ।
* साबुन बनाते समय उत्पन्न होने वाला धुआं नाक मुंह में न जाए, इसके लिए नाक मुंह उचित आकार के कपड़े से इस प्रकार बांधे की सांस लेने में अवरोध न हो ।

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार
पंचगव्य प्रशिक्षण
वोकल-लोकल
निःशुल्क प्रशिक्षण
गव्यहट्टी
उत्पाद
पंचगव्य किट
गौशाला-फैक्ट्री
कच्चा माल
अर्क यंत्र

- इसके पश्चात, एक व्यक्ति एक हाथ में गोमूत्र क्षार और गोमय रस के मिश्रण का बरतन और दूसरे हाथ में गोमूत्र एवं कास्टिक सोडे का मिश्रण का बर्तन लें।
- अब दोनों हाथ के बर्तनों से मिश्रण की समान धार कडाही में छोडे।
- मिश्रण गिराते समय दूसरा व्यक्ति गरम तेल को करछुल से निरंतर चलाता रहे । उपर्युक्त मिश्रण
- गिराना पूर्ण होने तक नीम का तेल और पानी आपस में ठीक से मिल जाते हैं।
  इसमें थोड़ी–थोड़ी मुल्तानी मिट्टी मिलाते हुए मिश्रण को अच्छे से मिलाएं।
- इसके पश्चात कडाही को चूल्हे से उतार कर उसमें सोडियम सिलिकेट डालकर मिश्रण को मिला लें।
- सोडियम सिलिकेट ऐसा खनिज द्रव है, जिसे मिलाने से गीला साबुन टूटता नहीं ।
- पूरा मिश्रण गुनगुना होने पर उसमें नारियल तेल और भीमसेनी कपूर का घोल छोड़कर उसे भली–भांति मिला दें ।
- यह मिश्रण ठंडा होने पर सांचे में डालकर साबुन की टिकिया बना लें ।
- सांचे से साबुन शीघ्र निकल सके, इसके लिए प्रत्येक बार उसे पानी में डुबाकर प्रयोग में लाएं।
- मिश्रण सांचे में डालने पर साबुन का पृष्ठ भाग खुरदरा होने लगे, तो थोड़ा पानी लगा कर उसे चिकना कर लें ।
- साबुन की टिकिया धूप में सुखाने पर उनसे तेल निकलता है। इसलिए, उन्हें छांया में सुखाएं।
- सुखी टिकिया थैली में अथवा गत्ते की पेटी में भरकर रखें ।

उपयोग – त्वचा संबंधी सभी रोगों मे

मूल्य– इस इस 100 किलो गोबर से 20 लीटर गोबर रस प्राप्त होगा जिससे 400 किलो मिश्रण प्राप्त होगा ओर उससे 4000 साबुन प्राप्त होंगे। प्रति साबुन का मूल्य 50 रुपये होता है। पर हम इसे यहाँ 40 रुपये ही मान कर चलते है।

कुल प्राप्त आय = 4000'40 = 160,000 रुपये

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

गोबर से प्राप्त कुल आय

गोमाता के 300 किलो गोबर से बने 3 उत्पाद
जिनसे प्राप्त कुल आय है–

दंतमंजन से प्राप्त आय	= 11000 रुपये
धूपबत्ती से प्राप्त आय	= 6500 रुपये
साबुन से प्राप्त आय	= 160,000 रुपये

गोबर से प्राप्त कुल आय = 177,500 रुपये

गौमाता के सभी गव्यो (९ सूत्रों) से प्राप्त कुल आय

दूध से प्राप्त आय	- 52000 रुपये
गौमूत्र से प्राप्त आय	- 56100 रुपये
गोबर से प्राप्त आय	- 177,500 रुपये

सभी गव्यो से प्राप्त कुल आय - 285,600 रुपये

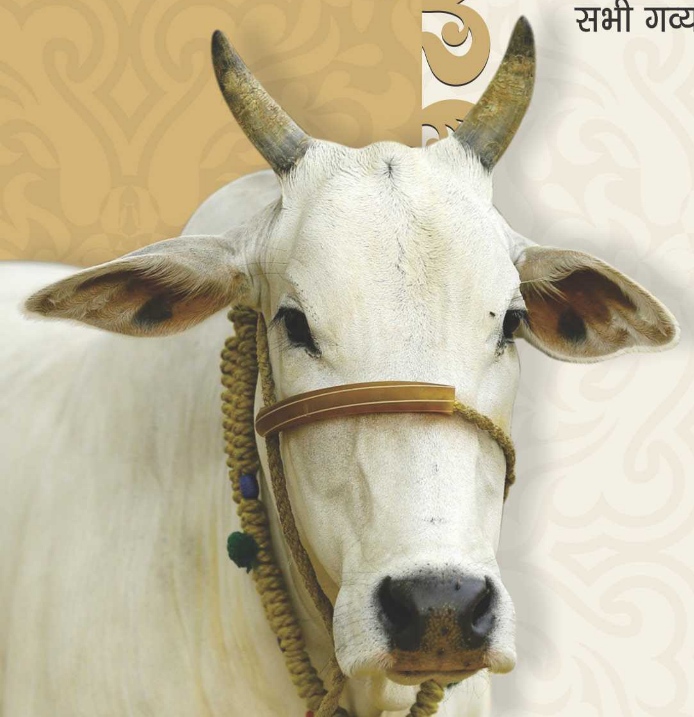

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

क्या आपने

कभी ऐसा सोचा था...

क्या विदेशी

जर्सी गाय आपको इतना कुछ दे सकती है.. जरा सोचें...

?

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

कठिनाइयां

इतना सब सीखने के पश्चात आपके मन मे प्रश्न आ रहा होगा की ये सब बनाने के लिए बड़े–2 उपकरण चाहिए होंगे। **वो कहाँ से आएँगे?** बना भी लिया तो बेचेंगे कहाँ?

तो आपकी जिज्ञासा शांत करने के लिए बता दें की ये सभी कुछ आपकी रसोई मे उपस्थित बर्तनो से ही बन जाएगा। आपको बाजार से 1 नए पैसे का सामान नही खरीदना पड़ेगा।

रहा बेचने का विषय, तो रण मे उतरने से पहले अपना सार्मथ्य ओर सामने वाले की समस्या की पहचान आवश्यक है। तो जान ले, यह सभी औषधियाँ जो आपने बनाई है वो रोग का निवारण करती है ओर रोग तो रोगी को ही होगा। अब इसे भारत भूमि का दुर्भाग्य कहें या आपका सौभाग्य, आज घर के 10 मे से 8 सदस्य रोगी है। यह स्थति लगभग भारत के हर नगर ओर ग्राम की है। तो हुआ ना सरल...

पर एक समस्या ओर आ गई? रोगी के रोग की पहचान कैसे करें?

अब भाई ये तो पढ़ने ओर समझने का गंभीर विषय है। फिर भी छोटे रूप में मैं आपको बता देता हूँ ताकि आगे आप अपनी बुद्दी का प्रयोग कर पाएँ।

हमारा शरीर पंचतत्वों से मिलकर बना है ओर ये है पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश। अब शरीर मे जो उपस्थित तत्व है, जब ये तत्व बिगड़ते है तो ही शरीर ओर प्रकृति मे उत्पात मचाते है। यह सरल सा सिद्दान्त समझ ले। अब हमारी भारतीय देशी गाय के पास इन 5 तत्वों को संतुलित रखने के लिए 5 गव्य है।

हो गया ना ओर भी सरल...

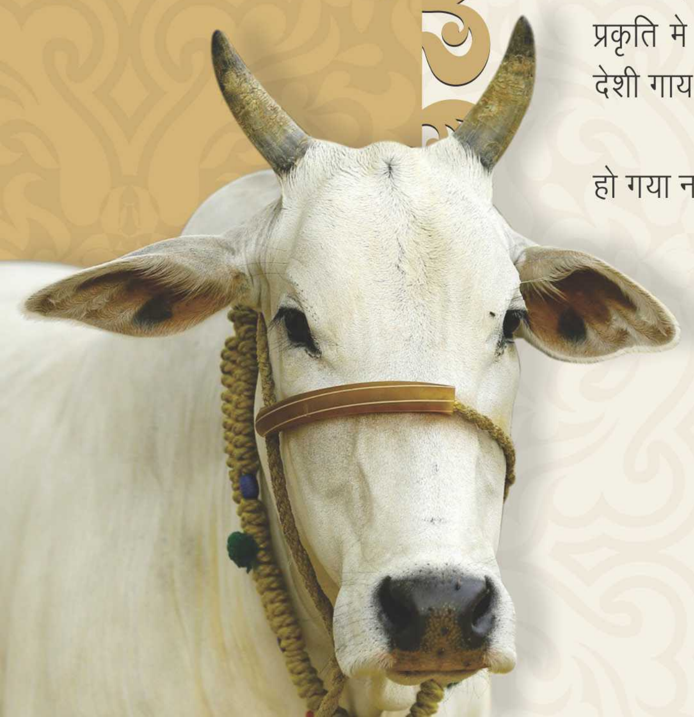

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com
99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1
t.me/gavyashala GavyaShala1
99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

गव्यसार

पंचगव्य प्रशिक्षण

वोकल-लोकल

निःशुल्क प्रशिक्षण

गव्यहट्टी

उत्पाद

पंचगव्य किट

गौशाला-फैक्ट्री

कच्चा माल

अर्क यंत्र

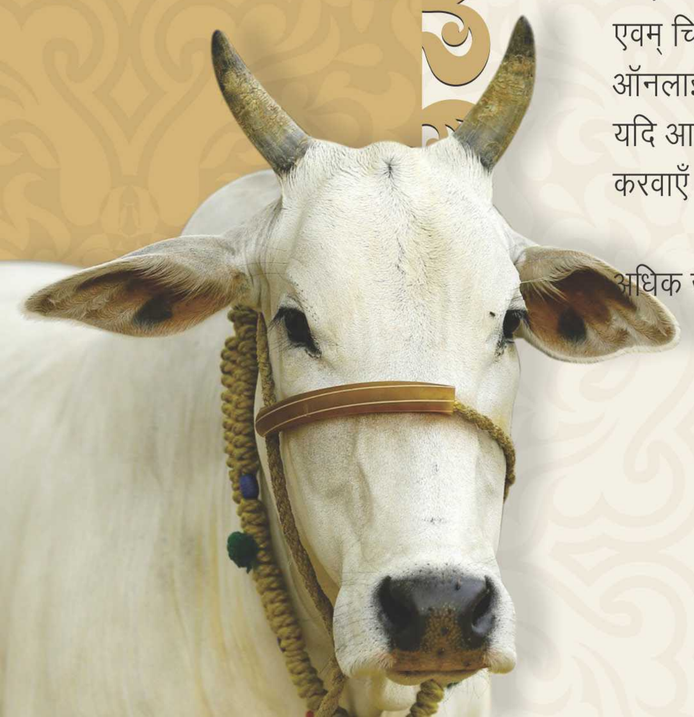

देखें कौनसा गव्य किस तत्व को संतुलित करेगा–

1) पृथ्वी– गोबर
2) अग्नि– घी
3) जल– दूध
4) वायु– गौमूत्र
5) आकाश– छाछ

तो आपको केवल निश्चित गव्य से निश्चित तत्व को शरीर मे संतुलित करना है। बस हो गया निदान

क्या कहा? समझ नही आया?

चलो, इसे ओर सरल करते है...

इन पंचतत्वों के प्रतिनिधि हमारे शरीर में त्रिदोष कहलाते है, जिन्हे वात, पित्त ओर कफ कहा गया है । अब वात, पित्त ओर कफ को पकड़ना तो आपको सीखना ही पड़ेगा। इसके अलग–2 माध्यम है, नाड़ी विज्ञान, मानव शरीर क्रिया विज्ञान, जीह्वा देखकर आदि आदि।

क्या कहा? ओर बताऊ?

भाई देखो, ऐसा है कि आगे के विषय सीखने ओर अनुभव करने के अधिक है। यहाँ लिखित ज्ञान देने से कुछ विशेष नही होगा। बाजार मे इन विषयों पर पहले ही अनेक पुस्तकें उपलब्ध है। आप कुछ पुस्तकें वहाँ से लेकर विषय का अध्ययन कर सकते है ओर यदि कोई समस्या हो तो आप गव्यशाला के संपर्क पर जाकर फार्म भरें। मैं आपसे शीध्र संपर्क करूँगा।

यदि आपको लगता है कि ये सब सीखना ही है तो आपकी प्रसन्नता के लिए बता दूँ की गव्यशाला की ओर से नियमित रूप से पंचगव्य उत्पाद निर्माण एवम् चिकित्सा प्रशिक्षण का शिविर लगाया जाता है और अब तो यह प्रशिक्षण यहां ऑनलाइन भी उपलबध है। अगले शिविर की जानकारी आप यहां देख सकते है। यदि आप शिविर मे आना चाहते है तो यहां क्लिक करके आज ही अपना पंजीकरण करवाएँ।

अधिक जानकारी के लिए अंत में दिए गए नंबर या मेल आईडी पर संपर्क करें।

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

सावधानियां

आपकी उत्पादों की गुणवत्ता के लिए बता दें की ये उत्पाद बनाते समय आपको कुछ सावधानियाँ भी रखनी होंगी। विषय बड़ा होने के कारण उन्हे यहाँ लिखना संभव नही है। अतः आप यहां जाकर सभी सावधानियाँ पढ़ ओर समझ सकते है और यदि आप सीधे हमारे उत्पाद खरीदना चाहते है तो यहां क्लिक करें। यदि आप हमारी फ्रेंचाईजी लेना चाहते है तो यहां क्लिक करें।

कुछ रोचक चलचित्र

* गौमाता के घी से 25000 मासिक कमाने का सुनहरा अवसर।
* गौमाता के गोबर से घर बैठे मासिक 15000 कमाने का सुनहरा अवसर।
* ये अजीब सा लड़का कल्पित अब गाय चराता है, पर क्यो?
* 48,000 रुपया प्रतिमाह का गौमुत्र अर्क बनाएगा ये यंत्र।
* आओ गौमूत्र शैम्पू से कमाएँ 21000 मासिक।
* शरद पूर्णिमा का गौमूत्र बिकेगा 22000 रुपये लीटर।
* हरियाणा वाले कैसे फँस गए?
* मुझे 5 दिन मे 2 लाख रुपया महीना कमाने का विज्ञान सीखाया ?

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954

गव्यशाला
गावो विश्वस्य मातरः

- गव्यसार
- पंचगव्य प्रशिक्षण
- वोकल-लोकल
- निःशुल्क प्रशिक्षण
- गव्यहट्टी
- उत्पाद
- पंचगव्य किट
- गौशाला-फैक्ट्री
- कच्चा माल
- अर्क यंत्र

अंत में मन की बात

मित्रों, मैने परमार्थ ओर गौरक्षा के भाव को मन मे लेकर गुरुकृपा से प्राप्त ज्ञान आपको बताया। इसके लिए मैं आपसे दक्षिणा प्राप्त करने का पात्र तो हूँ ही अब इस कलयुग मे मुझे तो वो माँग कर ही लेनी होगी। तो अब आप गुरुदक्षिणा के लिए तैयार हो जाएँ... वो भी एक नही बल्कि एक साथ दो–दो...

क्या हुआ, डर गए ??

हा हा... डरो मत...

मेरी खरी गुरुदक्षिणा यही होगी की प्रथम तो आप मेरे मार्गदर्शक की यह वेबसाईट वैदिक उपासना पीठ नित्य पढ़ें। जिससे आपको धर्म ओर अध्यात्म का अधिक ज्ञान प्राप्त हो एवम् आपमें रोगो से विजय पाने की शक्ति उत्पन्न हो।

दूसरी दक्षिणा... आपको जो उत्पाद बताए गए है इनका निर्माण शीध्र आरंभ करें।

यदि इसके पश्चात भी इस पुस्तक के लिए आप प्रेम ओर श्रद्धा भाव से कुछ अर्पण करना चाहते है तो यहाँ क्लिक करके अर्पण कर सकते है।

स्मरण रहे... समय कम है... भारत भूमि आप युवाओं को पुकार रही है।

धन्यवाद

आपका भाई

मनीष शर्मा

मो. 9928087811

@www.gavyashala.com info@gavyashala.com

99280 87811 GavyaShala1 GavyaShala1

t.me/gavyashala GavyaShala1

99280 87811, 80770 24954